बाबा खोल किवाड़ तेरा टाबर करे पुकार

बाबा खोल किवाड़ तेरा टाबर करे पुकार
दिन गिन महीना बीत गया ना हॉवे इन्तजार,
बाबा खोल किवाड़ तेरा टाबर करे पुकार

तेरे दर्श को व्याकुल नैना ये तरसे
यादे में तेरी सारी सारी रात बरसे
सावन में भी तुम बिन ना है कोई बहार,
दिन गिन महीना बीत गया ना हॉवे इन्तजार,

गलती हुई क्या हम से इतना बता दो
नादान है अब न इतनी सजा दो
तुम बिन सब सुना है जीवन लागे बेकार,
दिन गिन महीना बीत गया ना हॉवे इन्तजार,

फागुन के पाशे बाबा हमे क्यों बुलाये
पीहर है म्हारो खाटू काहे न बुलाये,
बाबुल से मिलने को मीकु है बेकरार
दिन गिन महीना बीत गया ना हॉवे इन्तजार,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17541/title/baba-khol-kiwaad-tera-tabar-kare-pukaar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |